

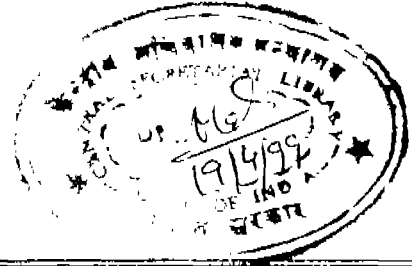


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 18 ]  
No. 18]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 22, 1999/माघ 2, 1920  
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 22, 1999/MAGHA 2, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1999

अंतिम जांच निष्कर्ष

**विषय :** चीन जनवादी गणराज्य और रूमानिया से कैल्सियम कार्बाइड के आयात के संबंध में पाटन रोधी जांच-अंतिम निष्कर्ष

27/1/97-ए०डी०डी०.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटन वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए

**क प्रक्रिया**

1. प्रारंभिक निष्कर्षों के पश्चात् नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया :

- (क) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) ने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके पश्चात् चीन तथा चीन पी० आर० कहा जाएगा) तथा रूमानिया से कैल्सियम कार्बाइड के आयातों के संबंध में पाटन रोधी जांच के बारे में 24-8-98 को अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए थे तथा हितबद्ध पक्षों को इसके प्रकाशन की तारीख के चालीम दिन के भीतर लिखित में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया था।
- (ख) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक-एक प्रति हितबद्ध पक्षों को प्रेषित की थी और उन्हें पत्र के प्राप्त होने की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचार यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था।
- (ग) प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य तथा रूमानिया के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक-एक प्रति इस अनुरोध के साथ दी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत करने की सलाह दी जाए।
- (घ) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षों को 13-11-98 को मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने का मौका दिया। मौखिक विचार करने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया कि मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाए। पार्टियों को सलाह दी गई कि वे विरोधी पक्षों द्वारा प्रकट किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त कर लें और उनका खंडन यदि कोई हो, प्रस्तुत करें।
- (ङ) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों तथा तर्कों के गैर-गोपनीय अंशवाली मार्बजनिक फाइल सभी इच्छुक पक्षों के निरीक्षण के लिए खुली रखी थी। जिन्होंने लिखित में निरीक्षण के लिए अनुरोध किया था, उन सभी पक्षों को फाइल का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई थी।

- (च) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पूर्व हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया था, उन्हें संक्षिप्तता की दृष्टि से यहां दोहराया नहीं गया है। तथापि, हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में समुचित रूप से विचार किया गया है।
- (छ) उक्त नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के संबंध में जिन आवश्यक तथ्यों/आधारों पर विचार किया गया था, उनकी जानकारी हितबद्ध पक्षों को दी गई थी और इसके बारे में प्राप्त टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों में यथोचित रूप से विचार किया गया है।
- (ज) इस अधिसूचना में  $\times\times\times$  चिह्न यह दर्शाता है कि उक्त सूचना हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई थी और नियमों के अनुसार प्राधिकारी ने भी उसे गोपनीय माना है।

## ख. विचाराधीन उत्पाद

2. इस अधिसूचना में वर्तमान जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद कैल्सियम कार्बाइड है, कैल्सियम कार्बाइड उन मूल औद्योगिक रसायनों में से एक है जिसका प्रयोग एसीटीलीन पर आधारित बहुत से रसायनों में किया जाता है। कैल्सियम कार्बाइड के विनिर्माण में प्रयुक्त मूल कच्ची सामग्री लाइमस्टोन और कोयला/कोक हैं। कैल्सियम कार्बाइड को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क कोड 28.49 (जिसे कार्बाइड के नाम से जाना जाता है) के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

## ग. समान वस्तु

3. प्रारंभिक निष्कर्षों में यह कहा गया कि प्राधिकारी ने यह स्थापित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्सियम कार्बाइड उक्त देशों से निर्यात किए गए कैल्सियम कार्बाइड की समान वस्तु है, भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिक कार्यों तथा उनके उपयोगों, उत्पाद विशिष्टताओं तथा कीमत-निर्धारण, संचितरण तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे कारकों पर विचार किया। आगे यह भी निर्धारित किया गया था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्सियम कार्बाइड प्राणिज्यिक रूप से तथा तकनीकी रूप से भी चीन तथा रूमानिया से आयातित कैल्सियम कार्बाइड द्वारा प्रतिस्थापित करने योग्य है और इस प्रकार विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।

## आयातों द्वारा दिया गया तर्क

4. आयातकों ने यह तर्क दिया है घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्सियम कार्बाइड वद्यपि तकनीकी रूप से प्रतिस्थापित करने योग्य है, परन्तु प्राणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित करने योग्य नहीं है क्योंकि इसका गैस उत्पादन (लिट्र प्रति कि०ग्रा०) कम है। यह दावा किया गया है कि टेसिल कार्बाइड के मामले में गैस उत्पादन 270 लिटर/कि०ग्रा० के आस पास है जबकि आयातित कैल्सियम कार्बाइड के मामले में गैस का उत्पादन 305-315 लि०/कि०ग्रा० तक है।

## प्राधिकारी की स्थिति

5. प्राधिकारी ने पाया है कि उपर्युक्त तर्क को साक्ष्य के द्वारा प्रमाणित नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त इस बात पर भी कोई विवाद नहीं किया गया है कि आयातित कैल्सियम कार्बाइड तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्सियम कार्बाइड की विशेषताएं जांच के अधीन वस्तुओं की विशेषताओं से काफी मिलती जुलती नहीं हैं। आयातित कैल्सियम कार्बाइड तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित कैल्सियम कार्बाइड के बीच केवल गैस उत्पादन में अंतर यदि कोई है तो उमका यह अर्थ नहीं है कि इन दोनों उत्पादों में अंतर है। अतः प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कैल्सियम कार्बाइड विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।

## (घ) घरेलू उद्योग

6. प्रारंभिक जांच परिणामों में यह निर्णय किया गया था कि याचिकाकर्ता (पैनयाम सीमेन्ट को छोड़कर जो जांच अवधि के दौरान कैल्सियम कार्बाइड का एक आयातक है) घरेलू उत्पादन का 25% से अधिक का उत्पादन करता है और इसलिए नियमों के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दर्ज करने का अधिकार रखता है।

## आयातकों द्वारा दिया गया तर्क

7. आयातकों ने यह तर्क दिया है कि प्रारंभिक जांच परिणामों में कैल्सियम कार्बाइड के कुछ दूसरे छोटे उत्पादनकर्ताओं की अनदेखी की गई है जिनके अस्तित्व को निर्दिष्ट प्राधिकारी और याचिकाकर्ता दोनों ने स्वीकार किया है। आयातों द्वारा यह भी कहा गया है कि मै० डी सी एम श्री राम जो जांच अवधि के दौरान कैप्टिव उपभोग के लिए उत्पादनकर्ता के रूप में सूचीबद्ध है, उनके तुलन पत्र के अनुसार उन्होंने किमी मात्रा में कैल्सियम कार्बाइड का उत्पादन नहीं किया है और इस तरह निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जिन आंकड़ों पर निर्भर किया, वे सही नहीं हैं। इसके अलावा टेसिल, बिरला और पैनयाम कैप्टिव उपभोग के लिए उत्पादन कर रहे हैं। लघु स्तर के उद्योगों द्वारा उत्पादन की जा रही कैल्सियम कार्बाइड की एक बड़ी मात्रा को इस कार्यवाही में शामिल नहीं किया गया है। इन तथ्यों के आधार पर की गई गणना से याचिकाकर्ता कुल घरेलू उद्योग का केवल 31.6% के लिए उत्तरदायी है। शेष 68% से अधिक उद्योग के स्थिति का पता लगाए बिना याचिकाकर्ता जांच कार्यवाई शुरू करने के लिए अपेक्षित शर्त को पूरा नहीं करता है और तदनुसार पहली बार में ही इसे अस्वीकार किया जाना चाहिए।

8. प्राधिकारी के पास रसायन और पैट्रो रसायन विभाग द्वारा भारत में कैल्सियम कार्बाइड के कुल उत्पादन के बारे में उपलब्ध कराई गई सूचना है। उसमें यह उल्लेख किया गया था कि कैल्सियम कार्बाइड की छः इकाइयाँ हैं। छः में से चार को पहले ही या याचिकाकर्ता (अर्थात् आई सी एम एल, पैनयाम, टेमिल और बिरला कॉर.) के रूप में नामित हैं और अन्य इकाइयाँ मैमर्स श्रीराम फर्टिलाइजर एंड कैमिकल और मै. यू पी कार्बाइड एंड कैमिकल हैं।

9. आयातकों के इस दावे के संबंध में, कि प्रारंभिक जांच परिणाम में कैल्सियम कार्बाइड के दूसरे लघु उत्पादनकर्ता की अनदेखी की गई है और यह कि लघुस्तर के उद्योगों द्वारा उत्पादित कैल्सियम कार्बाइड की बड़ी मात्रा को छोड़ दिया गया है प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितवद्घ पार्टियों ने न तो लघु स्तर के उत्पादनकर्ताओं का नाम और पता दिया है और न ही ऐसे लघुस्तर के उत्पादनकर्ताओं द्वारा उत्पादित कैल्सियम कार्बाइड की मात्रा बताया है। आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रश्नावली के प्रत्युत्तर के अध्ययन के समय प्राधिकारी को कैल्सियम कार्बाइड के ऐसे किसी मुख्य उत्पादनकर्ता के नाम का पता नहीं चल सका जिसमें ऐसे उपयोक्ता उद्योग को कैल्सियम कार्बाइड की आपूर्ति की हो। प्रारंभिक जांच परिणाम में जितना उल्लेख किया गया है उसके अलावा जांच के दौरान कैल्सियम कार्बाइड के किसी विनिर्माता ने प्राधिकारी के प्रत्युत्तर में कोई समर्थन या विरोध प्रकट नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात का यह दावा प्रामाणीकृत नहीं है।

10. प्राधिकारी ने पाया कि आयातकों का यह तर्क कि श्रीराम फर्टिलाइजर कैल्सियम कार्बाइड का उत्पादन नहीं कर रहा है, वस्तुतः सही नहीं है। मै. श्री राम विनायल एंड कैमिकल इंडस्ट्रीज (डी सी एम श्री राम कंमोर्लडेटेड लिमिटेड की एक शाखा) ने इस बात की पुष्टि की है कि उनकी स्थापित क्षमता 56100 टन है और उन्होंने वर्ष 1996 और 1997 के केवल कैप्टिव उपभोग के लिए कैल्सियम कार्बाइड का उत्पादन किया था। रसायन एवं पैट्रो रसायन विभाग ने भी यह पुष्टि की है कि डी सी एम श्री राम ने जांच अवधि के दौरान कैल्सियम कार्बाइड का उत्पादन किया है।

11. एक आयातक ने यह तर्क दिया है कि मै. आई सी एम एल (एक याचिकाकर्ता) और मै. चेम प्लास्ट (एक आयातक) दोनों एक दूसरे से जुड़े हैं क्योंकि इंडिया सीमेंट लिमिटेड का अध्यक्ष चेमप्लास्ट का एक कार्यकारी उपाध्यक्ष भी है और इंडिया सीमेंट लिमि. का प्रबंध निदेशक चेमप्लास्ट के बोर्ड का निदेशक है। इस प्रकार वे एक दूसरे से संबद्ध हैं और इसलिए आई सी एम एल को याचिकाकर्ता के रूप में अयोग्य ठहराया जाए।

### प्राधिकारी की स्थिति

12. प्राधिकारी ने पाया कि नियमानुसार उत्पादकों को निर्यातकों या आयातकों से संबंध केवल तभी माना जा सकेगा जब :

- (क) उनमें से एक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दूसरे का नियंत्रण करता है, या
- (ख) दोनों प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक तीसरे व्यक्ति द्वारा नियंत्रित किए जा रहे हों, या
- (ग) वे दोनों मिलकर किसी तीसरे व्यक्ति का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रण कर रहे हों।

प्राधिकारी ने पाया कि आयातक यह प्रदर्शित और सत्यापित नहीं कर पाए हैं कि या तो चेमप्लास्ट आई सी एम एल का या आई सी एम एल चेमप्लास्ट का नियंत्रण कर रही है। यह भी किसी ने सत्यापित नहीं किया है कि उनमें से दोनों प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी तीसरे पक्ष द्वारा नियंत्रित किए जा रहे हैं अथवा यह कि वे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी तीसरे व्यक्ति का नियंत्रण कर रहे हैं। दोनों कंपनियों को एक दूसरे से संबद्ध होने की बात केवल इस आधार पर नहीं मानी जा सकती कि उनका एक साझा कार्यपालक या निदेशक है।

यह दिखाने के लिए कि दोनों कंपनियाँ एक दूसरे से संबद्ध हैं उपयुक्त तीनों में से कोई एक मापदंड पूरा होना चाहिए जो इस मामलों में नहीं है और इस प्रकार दोनों कंपनियों को एक दूसरे से संबद्ध नहीं कहा जा सकता है।

13. इसके अलावा, मै. चेमप्लास्ट सेनमार लिमि. ने यह स्पष्ट किया है कि यह तर्क/कथन मै. चेमप्लास्ट सेनमार लिमि. द्वारा नहीं दिया गया था।

14. हमें देखते हुए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता को घरेलू उत्पादन के 25% से अधिक के लिए उत्तरदायी माना है और इसलिए इस नियम के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता याचिका दर्ज करने का अधिकार रखता है।

### (ड) पाटन

15. पाटन से संबंधित नियमों और विभिन्न निर्यातकों के दावों पर प्रारंभिक जांच परिणाम में पहले ही विचार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन और/या रूमानिया के किसी भी निर्यातक ने कोई और सूचना प्रस्तुत नहीं की है और प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा अभिकलित पाटन-सीमा के लिए आपत्ति नहीं की है।

### आयातक का तर्क

16. आयातकों ने चीन के निर्यातकों और रूमानिया के निर्यातकों से उपलब्ध कुछ बीजकों की प्रतियाँ उपलब्ध कराई हैं, जैसे घरेलू बीजक कहा गया है और चीन और रूमानिया में इन बीजकों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। आयातक ने भी जांच अवधि के दौरान चीन में कैल्सियम कार्बाइड की प्रचलित घरेलू कीमत को दर्शाने के लिए चीन कैमिकल रिपोर्टर (सी सी आर) नाम की चीन की स्थानीय व्यापार पत्रिका की प्रतियाँ उपलब्ध

कराया है। आयातक ने चीन में कैल्शियम कार्बाइड की कीमत का भी अनुमान लगाया है और अनुरोध किया है कि यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाता है तो उस दशा में इस कीमत को अपनाता चाहिए।

### प्राधिकारी की स्थिति

17. प्राधिकारी ने पाया है कि चीन और/या रूमानिया के किसी भी निर्यातक ने न तो प्रारंभिक जांच परिणाम का प्रत्युत्तर दिया है और न ही निर्दिष्ट प्राधिकारी के किसी निष्कर्ष पर कोई आपत्ति की है। हालांकि उनको पर्याप्त अवसर दिए गए थे। किसी भी चीन के निर्यातक ने मौखिक सूचनाओं में अपने मामलों को नहीं रखा है। रूमानिया के मामले में, निर्यातकों ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए और सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। हालांकि उन्होंने पाटन नहीं करने का दावा किया है। प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण कुछ बीजकों के आधार पर या व्यापार पत्रिका के आधार पर नहीं कर सकते हैं क्योंकि उसमें यह स्पष्ट नहीं है कि क्या बिक्री के समय के मूल्य उत्पादनकर्ताओं के हैं या व्यापारियों के, क्या वे कारखाना द्वार के मूल्य हैं अथवा अन्यथा हैं, उसमें शास्त्र अवधि कितनी है; व्यापार के स्तर और शर्तें क्या हैं और क्या वे सामान्य व्यापार प्रक्रिया हैं या नहीं। इस तरह से प्राधिकारी इस सूचना को अपूर्ण मानते हैं और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण अपूर्ण सूचना के आधार पर नहीं किया जा सकता है। आयातकों द्वारा कैल्शियम कार्बाइड की लागत का अनुमान लगाए जाने के संबंध में प्राधिकारी का मानना है कि यह केवल एक अनुमान है और उनके बारे में चीन के उत्पादकों से कोई प्रमाणिकता प्राप्त नहीं है। प्राधिकारी इस प्रकार प्रस्तुत लागत संबंधी अनुमान को अपूर्ण मानते हैं और अप्रमाणिक सूचना मानते हैं और इसलिए इस सूचना को सामान्य मूल्य की गणना के लिए हिमाख में नहीं लिया जा सकता है।

18. उपर्युक्त के आलोक में प्राधिकारी का मानना है कि चीन और रूमानिया के निर्यातकों ने पूर्ण और प्रमाणिक सूचना मुहैया न कराकर जांच में सहयोग नहीं किया है।

19. निर्यातक कीमत के संबंध में किसी हितयुक्त पक्ष से कोई तर्क नहीं मिला है।

20. इस प्रकार, प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणाम में अभिकल्पित पाटन सीमा की पुष्टि करते हैं जो चीन के मामले में निर्यात कीमत का 9.58% है और रूमानिया के मामले में निर्यातक कीमत का 46.03% है।

### (च) क्षति विश्लेषण और कारणात्मक संबंध

21. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के समर्थन में दिए गए तर्क निम्नानुसार हैं:—

(क) क्षति के विभिन्न मापदण्ड जैसे संबंध देशों से किए आयातों और कुल आयातों में वृद्धि, चीन और रोमानिया से किए आयातों की कीमत में कमी, कम उत्पादकता और कम क्षमता उपयोग, बिक्री की कम मात्रा, निवल बसूली और लाभप्रदता में कमी, माल सूचियों में वृद्धि, यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(ख) घरेलू उद्योग द्वारा यह कहा गया है कि यदि पाटित आयात न किए गए होते तो घरेलू उद्योग ने उत्पादन बढ़ाकर उच्चतम क्षमता उपयोग, उच्चतर देशी बिक्री और उच्चतर बिक्री बसूली करके पर्याप्त लाभ अर्जित कर लिया होता। इससे पाटित आयातों और क्षति के बीच एक स्पष्ट कारणात्मक संबंध प्रदर्शित होता है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विरोध करने वाले तर्क निम्नानुसार हैं:—

(क) अत्यधिक उच्च पावर टेरिफ के साथ-साथ घरेलू कैल्शियम कार्बाइड उद्योग की अक्षम प्रक्रिया के कारण भारत में यह उद्योग अव्यावहारिक हो गया है।

(ख) केवल टैसिल द्वारा अपने उत्पादन में गिरावट का रुख दर्शाया गया है और टैसिल को हुई क्षति समग्र उद्योग को हुई क्षति के रूप में मानी जा रही है। टैसिल ने विद्युत और श्रमिक समस्याओं पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है जिसके कारण उसे क्षति हुई है।

(ग) याचिकाकर्ता का घरेलू उद्योग 31.6% हिस्सा बनता है।

(घ) क्षति के विभिन्न मापदण्ड, जैसा कि आयात कीमत, उत्पादन, और क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री, बिक्री बसूली और लाभप्रदता, यह संकेत नहीं देते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(ङ) कैल्शियम कार्बाइड के विनिर्माताओं के लिए निदान रक्षोपाय शुल्क है न कि पाटन रोधी शुल्क।

(च) घरेलू उद्योग को हो रही क्षति कथित पाटन के कारण नहीं है बल्कि बाजार की मांगों को पूरा करने, श्रमिक समस्याओं, विद्युत की उच्च लागत, बिजली की कमी और गुणवत्ता संबंधी समस्याओं से निपटने में उनकी अक्षमता के कारण है।

(छ) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता को हुई क्षति के कारण के रूप में भूटान से हुए आयातों के प्रभाव की अनदेखी की है। पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भूटान से होने वाले आयात बढ़कर 6000 टन से अधिक हो गए हैं।

(ज) क्षति का प्रभावी निर्धारण 4 महीने की अवधि के लिए किया गया है जो कि सभी प्रक्रियाओं और मिसालों के प्रतिकूल है।

### प्राधिकार का विचार

22. क्षति और विभिन्न क्षति संबंधी मापदण्डों को अधिशामित करने वाले नियमों पर प्रारंभिक जांच परिणामों में पहले ही विचार कर लिया गया है जिनमें यह अवधारित किया गया था कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

23. घरेलू उद्योग से संबंधित सभी आर्थिक मापदण्डों से क्षति का पता चलता आवश्यक नहीं है और न ही एक या विभिन्न आर्थिक मापदण्डों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में अनिवार्यतः निर्णायक दिशा-निर्देश प्राप्त होते हैं। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में सभी

संगत आर्थिक कारकों का मूल्यांकन शामिल होता है। सभी संगत कारकों को संचयी मूल्यांकन से ही यह पता चल सकता है कि क्या घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है अथवा नहीं।

24. जहां तक विद्युत की उच्च टैरिफ का संबंध है, प्राधिकारी की यह राय है कि यह याचिकाकर्ता की लागत है जिस पर प्राधिकारी ने वास्तविक आधार पर विचार किया है। टेमिल में गिरावट के रुख के संबंध में प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच में पहले ही यह राय दी है कि टेमिल के मामले में उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री कम रही है और उसका अंतिम स्टॉक काफी अधिक था। दूसरे याचिकाकर्ता (अर्थात् बिरला कारपोरेशन और आई सी एम एल) के मामले में उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री इन वर्षों में स्थिर रही थी। प्राधिकारी ने क्षति के निर्धारण के लिए समग्र रूप से घरेलू उद्योग का मूल्यांकन किया है। यदि घरेलू उद्योग में किसी खास कंपनी को हुई क्षति अधिक गंभीर है या वह क्षमता के इष्टतम स्तर से नीचे काम कर रही है तो उसका प्रभाव प्रतिकारी है क्योंकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मूल्यांकन उत्पादन की इष्टतम लागत और सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के आधार पर संबंध वस्तुओं के विनिर्माण और बिक्री की लागत के आधार पर किया गया है।

25. घरेलू उद्योग की स्थिति से संबंधित आयातकों के तर्क पर "घरेलू उद्योग" शीर्षक के अंतर्गत पहले ही विचार किया गया है।

26. जहां तक आयातकों के इस तर्क का संबंध है कि कैलिशियम कार्बाइड के उत्पादकों के लिए निदान सुरक्षा उपाय शुल्क है न कि पाटनरोधी शुल्क प्राधिकारी की राय है कि पाटनरोधी जांच नियमानुसार की जाती है। शुल्क, यदि कोई हो, की नियमानुसार सिफारिश की जाती है।

27. दूसरे मापदण्डों जैसे कि आयात की मात्रा, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, बिक्री वस्तु, लाभप्रदता पर प्रारंभिक जांच परिणामों में पहले ही विचार किया गया है।

28. भूतान से हुए आयात कथित पाटित आयात नहीं हैं।

29. प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए संचयी आधार पर क्षति का निर्धारण किया है।

30. प्राधिकारी क्षति संबंधी अपने प्रारंभिक जांच-परिणामों की पुष्टि करते हैं कि विभिन्न मापदण्ड सामूहिक और संचयी रूप से यह प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

31. इस बात की पुष्टि करने के लिए कि संबंधित देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का यह मानना है कि चीन और रोमानिया से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी आई है। संबंधित वस्तुओं के सस्ते आयात के परिणामस्वरूप घरेलू उत्पाद की कीमत में गिरावट आयी है। इसके अलावा, पाटित वस्तुओं के कारण घरेलू उद्योग को अधिक स्टॉक बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसलिए, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उक्त देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई थी।

### ( छ ) अन्तिम जांच परिणाम

32. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :—

(क) चीन और रोमानिया से कैलिशियम कार्बाइड का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके फलस्वरूप कैलिशियम कार्बाइड का पाटन हुआ है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित होता है।

33. प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं और चीन और रोमानिया मूल के अथवा यहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद से संबंधित पैरा में यथा-विनिर्दिष्ट अध्याय 28 के अंतर्गत आने वाले कैलिशियम कार्बाइड के आयात पर निश्चयात्मक पाटन रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटन रोधी शुल्क नीचे लिखे कालम 3 में दी गई राशि के अनुसार होगा:—

क्रम सं०	देश/निर्यातक	राशि प्रति मीट्रिक टन
1.	चीन सभी निर्यातक	499
2.	रोमानिया सभी निर्यातक	873

34. इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा यथा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 ख के अधीन लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

35. उपर्युक्त के अधीन रहते हुए प्राधिकारी दिनांक 24-8-1998 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

36. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण में दायर की जा सकती है।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE****NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd January, 1999

**FINAL FINDINGS**

**Sub :** Anti-dumping investigation concerning import of calcium carbide from the People's Republic of China and Romania — Final Findings.

**27/1/97-ADD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for determination of Injury) Rules, 1995 thereof.

**A. PROCEDURE**

1. The procedure described below has been followed subsequent to the preliminary findings :

(a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 24.8.98 with regard to anti-dumping investigations concerning import of calcium carbide from the People's Republic of China (also referred to as China and China PR hereinafter), and Romania and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;

(b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;

(c) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of the People's Republic of China and Romania in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;

(d) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 13.11.98. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;

(e) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties. All parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;

(f) Arguments raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings;

(g) In accordance with Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received have been duly considered in these findings;

(h)\*\*\*\*in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

## **B      PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

2. The product considered in this notification for the purpose of present investigation is calcium carbide of all sizes. Calcium carbide is one of the basic industrial chemicals for manufacture of wide range of Acetylene based chemicals. The basic raw materials used in manufacture of calcium carbide are limestone and coal/coke. Calcium carbide is classified under custom code 28.49 (which reads as carbides) of Customs Tariff Act.

## **C      LIKE ARTICLE**

- 3 In the preliminary findings it was held that Authority considered factors such as physical characteristics, manufacturing process and technology functions and uses, product specification and pricing, distribution and tariff classification of goods in order to establish whether the calcium carbide produced by domestic industry is a Like Article to the calcium carbide exported from said countries. It was further held that calcium carbide produced by the domestic industry is substitutable by the calcium carbide imported from China and Romania both commercially and technically and thus a Like Article to the product under consideration.

### **Argument by Importers**

4. It is argued by the importers that calcium carbide produced by domestic industry is though technically substitutable but is not commercially substitutable as its gas yield (litres per kg) is low. It is claimed that gas yield in the case of Tecil carbide is in the range of 270 Ltrs/Kg while in the case of imported calcium carbide the gas yield range is from 305-315 Ltrs/Kg.

### **Authority Position**

5. The Authority observes that the above argument is not substantiated with evidence. Moreover it has not been disputed that imported calcium carbide and calcium carbide produced by domestic industry do not have characteristics closely resembling those of the articles under investigation. Mere difference in gas yield, if any, of imported calcium carbide and calcium carbide manufactured by domestic industry do not imply differences in the product under investigation. The Authority, therefore, holds that calcium carbide produced by the domestic industry is a Like Article to product under consideration.

**D. Domestic Industry**

6. It was held in the preliminary findings that the petitioner (excluding Panyam cement who is an importer of Calcium Carbide during the period of investigation) accounts for more than 25% of domestic production and therefore has a standing to file a petition on behalf of domestic industry under the rules.

**Arguments raised by Importers**

7. It is argued by the importers that preliminary findings ignore several other small producers of Calcium Carbide whose existence is acknowledged by Designated Authority and petitioner. It is also stated by importers that M/s DCM Shri Ram who were listed as producer for captive consumption during the period of investigation have not produced any quantity of Calcium Carbide as per their balance sheet and thus the figures relied upon by Designated Authority are not accurate. In addition Tecil, Birla and Panyam are producing for captive consumption. A large quantity of Calcium Carbide being produced by small-scale industries has been left out of these proceedings. Calculated on these facts, the petitioner accounts for only 31.6% of the total domestic industry. Without ascertaining the stand of over 68% of the remaining industry, the petitioner does not meet the condition required for the initiation and accordingly be void ab-initio.

**Authority Position**

8. The Authority has the information made available by department of Chemical and Petrochemical on the total production of Calcium Carbide in India. It was reported therein that there are six units of Calcium Carbide. Out of six, four are already named as petitioner (viz. ICML, Panyam, Tecil and Birla Corp) and others are M/s Shri Ram Fertilizer & Chemical and M/SU P carbide and chemical.
9. Regarding the claim of the importers that preliminary findings ignore other small producer of calcium carbide and that large quantity of calcium carbide being produced by small scale industries has been left out, the Authority notes that the interested parties have neither given the names and address of small scale producers nor the quantum of production of calcium carbide by such small scale producers. While going through the responses to questionnaire filed by the importers, the Authority could not find the name of any major producer of calcium carbide who had supplied the calcium carbide to such user industry. No other calcium carbide manufacturer had responded to Authority regarding support or opposition during the investigation except to the extent specified in the preliminary findings. Therefore the Authority notes that this claim of the importer is not substantiated.
- 10 The Authority observes that the argument of importers that ShriRam Fertilizer is not producing Calcium Carbide is factually incorrect. It is confirmed by M/s Shri Ram Vinyl & Chemical Industries (A division



of DCM Shri Ram consolidated Ltd.) that their installed capacity is 56100 Tonnes and they produced Calcium Carbide in the year 1996 and 1997 for captive consumption only. The department of Chemical & Petrochemical has also confirmed that D C M Shriram is producing Calcium Carbide during the period of investigation.

11. An importer has argued that M/s ICML (a petitioner) and M/s Chemplast (an importer) are related, as the Chairman of India Cement Ltd is also an executive vice President of Chemplast, and the Managing Director of India Cement Ltd. is a Director on the Board of Chemplast. Thus they are related and therefore ICML be disqualified from being a petitioner.

#### **Authority's Position:**

12. The Authority observes that as per rules, the producers shall be deemed to be related to exporters or importers only if:
  - (a) One of them directly or indirectly controls the other or
  - (b) Both of them are directly or indirectly controlled by a third person or
  - (c) Together they directly or indirectly control a third person

The Authority observes that importer has not demonstrated and established that either Chemplast controls ICML or ICML controls Chemplast. Also it is neither established that both of them are directly or indirectly controlled by a third person nor that together they directly or indirectly control a third person. Two companies can not be stated to related to each other merely on the ground that they have a common executive or director. To demonstrate that two companies are related, any of the three criteria stated above should be fulfilled which is lacking in this case and thus these two companies can not be stated to be related to each other.
13. Moreover, M/s Chemplast Sanmar Ltd. has clarified that this arguments/statement was not made by M/s Chemplast Sanmar Ltd.
14. In view of this, the Authority hold that petitioner accounts for more than 25% of domestic production and therefore have a standing to file the petition on behalf of domestic industry under the rules.

#### **E. DUMPING**

15. The rules relating to dumping and claims of various exporters have already been discussed in the preliminary findings. The Authority notes that none of the exporters from China and/or Romania has furnished further information or disputed the dumping margins calculated by Authority in the preliminary findings.

#### **Importer's Argument**

16. The importers have furnished copy of few invoices by Chinese exporters and by exporters from Romania, which are stated to be domestic invoices and claimed the

normal value in China and Romania on the basis of these invoices. Importer have also furnished copies of the local Chinese trade journal – China Chemical Reporter (CCR) to show the domestic price of Calcium Carbide prevailing in China during the period of investigation. The importer has also estimated the cost of Calcium Carbide in China and requested that Authority should adopt the same in case Designated Authority chooses to construct the normal value.

### **Authority Position**

17. The Authority observes that none of the exporters from China and/ or Romania has neither responded to the preliminary findings nor disputed any of the findings of Designated Authority although sufficient opportunities were provided to them. None of the Chinese exporters have represented their case in the oral hearings. In the case of Romania, exporters have not provided further information to determine the normal value although they have claimed that there is no dumping. The Authority can not determine the normal value on the basis of a few invoices or on the basis of trade journals wherein it is not clear whether the prices at the point of sale are of producer or traders, whether they are at ex-factory level or otherwise, what is the credit period involved, what are the level and terms of trade and whether they are in the ordinary course of trade or not. To this extent the Authority considers the information as incomplete and therefore normal value can not be determined on the basis of incomplete information. Regarding the cost of Calcium Carbide estimated by importers, the Authority finds that they are estimates only with no authenticity from the producers in China. The Authority considers the cost estimates so submitted as incomplete and unauthentic information and therefore that information can not be taken into account for computation of normal value.

18. In view of above, the Authority holds that exporters from China and Romania have not co-operated in the investigation by not providing complete and authentic information.

19. Regarding the export price, there is no argument by any interested parties.

20. Thus, the Authority confirms the dumping margin as calculated in preliminary findings, which are 9.58% of export price in the case of China and 46.03% of export price in the case of Romania.

### **F. INJURY ANALYSIS & CAUSAL LINK**

21. The arguments supporting injury to domestic industry are as under:

- (a) Various injury parameters such as increase in imports from subject countries and also in total imports, decrease in price of imports from China & Romania, low production and capacity utilisation, low volume of sales, decline in net realisation and profitability, increase in inventories, shows that domestic industry has suffered injury.
- (b) It is stated by domestic industry that but for dumped imports, domestic industry would have earned a reasonable profit with rising production, higher capacity utilization, higher indigenous sales and higher sales realization. This shows a clear causal link between the dumped imports and injury.

The arguments questioning injury to the domestic industry are as under:

- (a) The exorbitantly high power tariff coupled with inefficient practice of domestic calcium carbide industry has made this industry unviable in India.
- (b) Only Tecil shows a downward trend in their output and injury to Tecil is being passed off as injury to the industry as a whole. Tecil has not responded to power and labour problems that caused injury to them.
- (c) The petitioner accounts for only 31.6% of the domestic industry.
- (d) The various parameters of injury such as import price, production & capacity utilisation, domestic sales, sales realisation & profitability do not suggest that domestic injury has suffered injury.
- (e) The remedy for calcium carbide producers is safeguard duty and not the anti-dumping duty.
- (f) The injury being suffered by domestic industry is not on account of alleged dumping but on account of their inability to meet the market demand, labour problems high power cost, shortage of power and quality problems.
- (g) The Authority has ignored the impact of imports from Bhutan as cause of injury to the petitioner, Imports from Bhutan went up by over 6000 Tones during the period of investigation over the previous year.
- (h) The injury is effectively assessed over a four month period, contrary to all practice and precedent.

#### **Authority Position**

22. The rules governing injury and various injury parameters have already been discussed in preliminary findings wherein it was held that domestic industry has suffered material injury.

23. All economic parameters relating to the domestic industry need not indicate injury nor one or several of various economic parameters necessarily give decisive guidance with regard to injury suffered by the domestic industry. Examination of the impact of dumped imports on the domestic industry includes evaluation of all relevant economic factors. Cumulative assessment of all relevant factors can only indicate whether the domestic industry has suffered material injury.

24. Regarding high power tariff, the Authority observes that this is a cost to the petitioners, which is considered by Authority on actual basis. Regarding downward trend in Tecil, the Authority has already observed in the preliminary findings that the production, capacity utilisation and sales were low in the case of Tecil and their closing stock were higher. The production, capacity utilisation, sales was stable over the years in the case of other petitioner (viz. Birla Corpn. and ICML). The Authority assesses the domestic industry as a whole to determine the injury. If the injury to a particular company in the domestic industry is more severe or it operates below the optimum level of efficiency its effect is offset as injury to Domestic Industry is

assessed on the basis of optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods on the basis of Generally accepted accounting principles.

25. The argument of the importers relating to standing of domestic industry is already dealt under the Heading "Domestic Industry".

26. Regarding the argument of importers that the remedy for calcium carbide producer is safeguard and not anti-dumping duty, the Authority observes that anti-dumping investigation are carried out as per rules. Duty, if any is recommended as per rules.

27. The other parameters such as import quantum, production, capacity utilisation, sales, sales realisation, profitability has already been dealt in the preliminary findings.

28. The imports from Bhutan are not alleged as dumped imports.

29. The Authority has assessed the injury on cumulative basis for the period of investigation.

30. The Authority confirms its preliminary findings on injury that various parameters collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.

31. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject countries, the Authority holds that increase in market share of imports from China and Romania resulted in decline in the market share of petitioner. Cheap imports of subject goods resulted in reduction in price of domestic product. Further the dumped material forced the domestic industry to hold higher stocks. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the said countries.

#### **G. FINAL FINDINGS**

32. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:

(a) Calcium Carbide has been exported from China and Romania at a price lower than the normal value resulting into dumping of calcium carbide.

(b) The domestic industry has suffered material injury.

(c) The causal link between dumping and injury is established.

33. The Authority confirms the preliminary findings and recommends imposition of definitive anti-dumping duties on import of calcium carbide falling under chapter 28 as specified in the para relating to product under consideration originating in or exported from China and Romania.

The anti-dumping duty shall be the amounts mentioned in column 3 hereunder,

S.No.	Country/Exporter	Amount ( Rs. PMT)
1	2	3
-----	-----	-----
1.	China All exporters	499
2.	Romania All exporters	873

34. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8 B, 9 and 9 A of the Customs Tariff Act, 1975.

35. Subject to above the Authority confirms the preliminary findings dated 24.8.98.

36. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

